जीवंत भारत

भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत विविध और समृद्ध है। अपनी स्वतंत्रता के विगत 67 वर्षों के दौरान इसने चहुंमुखी सामाजिक–आर्थिक प्रगति हासिल की है। भारत पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में अवस्थित है। इसका स्थलीय विस्तार 8ओ4′ से 37ओ6′उत्तरी अक्षांश तथा 68ओ7′ और 97ओ25′पूर्वी देशांतर के मध्य है। इसकी उत्तर से दक्षिण की लंबाई 3,214 किलोमीटर और पूर्वसे पश्चिम की चौड़ाई लगभग 2,933 किलोमीटर है। इसकी स्थलीय सीमा की लंबाई 15,200 किलोमीटर है। इसकी मुख्य भूमि, लक्षद्वीपसमूह तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लंबाई 7,516.6 किलोमीटर हे।

हिमालय भारतीय प्रायद्वीप को एशिया के मुख्य भू–भाग से अलग करता है। भारत देश पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर और दक्षिण में भारतीय महासागर से घिरा हुआ है। इसके मुख्य भू–भाग में चार क्षेत्र अर्थात विशाल पर्वतीय क्षेत्र, गंगा और सिंधु का समतल मैदान, रेगिस्तानी क्षेत्र और दक्षिणी प्रायद्वीप शामिल हैं। भारतीय जीवन शैली के निर्धारण में प्राकृतिक संसाधनों जैसे : झीलों, नदियों, जंगलों, वन्यजीवों आदि की विशेष भूमिका है और देश की बढ़ती हुई जनसंख्या पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। सरकार की मुख्य चिंता पारिस्थितिकीय तंत्र, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पशुओं के कल्याण और प्रदूषण की रोकथाम आदि के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करना है। वनस्पति और जीव–जंतुओं, वनों और वन्यजीवों के संरक्षण और बचाव तथा प्रदूषण के नियंत्रण हेतु सरकार और विभिन्न संगठनों द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

किसी भी देश के विकास में संस्कृति की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह साझा आचार–व्यवहार, मूल्यों, लक्ष्यों और प्रक्रियाओं की द्योतक होती है। संस्कृति और सृजनात्मकता लगभग सभी आर्थिक, सामाजिक और अन्य कार्यकलापों में स्वयं अभिव्यक्ति पाती है। भारत जैसी विविधता वाला देश अपनी संस्कृति की बहुलता में ही अभिव्यक्ति पाता है। भारत के पास गीतों, संगीत रचनाओं, नृत्य, थिएटर, लोक परम्पराओं, प्रदर्शनकारी कलाओं, धार्मिक कृत्यों और अनुष्ठानों, चित्रकलाओं और आलेखों आदि का विश्व का विशालतम संग्रह है, जो मानवता की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में जाना जाता है। इस धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रदर्शनकारी, दृश्य और साहित्यिक कलाओं आदि में संलग्न व्यक्तियों, समूहों और सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक स्कीमों और कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रही है।

मानव संसाधन विकास का आधार शिक्षा है, जो देश के सामाजिक–आर्थिक ढांचे को संतुलित करने में महत्वपूर्ण और उपचारी भूमिका निभाती है। इस चुनौती का सामना करने के लिए, देश प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक, उच्चतर, तकनीकी और प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में बड़े और दूरगामी कदम उठा रहा है। देश में व्यावसायिक प्रशिक्षणों पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है जिसका उद्देश्य न केवल शिक्षित बल्कि कुशल कार्यबल का विकास करना है।

अपने संबद्ध क्षेत्रों के साथ, कृषि भारत में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्विवाद रूप से जीविका का सबसे बड़ा प्रदाता है। इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह माना जाता हे कि खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और मृदा संरक्षण, टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जैव–विविधता संरक्षण जैसी पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियां समग्र ग्रामीण विकास के लिए अनिवार्य हैं। इस संबंध में देश में अनेक कदम उठाए गए हैं। भारतीय कृषि और संबद्ध कार्यकलापों में हरित क्रांति, सफेद क्रांति, पीली क्रांति और नीली क्रांति देखी गई हैं।

अवसंरचना प्रमुख क्षेत्र है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था का समग्र विकास करता है। सरकार ऐसी नीतियों के निर्माण में संलग्न है, जिससे देश में विश्व स्तर की अवसंरचना का समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित होगा। इन पहलों में बिजली, पुलों, बांधों, सड़कों और शहरी अवसंरचना के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। बिजली और ऊर्जा को भारत में आर्थिक विकास और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए दो आवश्यक इनपुट माना गया है। समाज की बढ़ती हुई ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूराकरने के लिए किफायती दर पर पारम्परिक और गैर–पारंपरिक दोनों ऊर्जा स्रोतों का विकास करना एक चुनौती है। इस संबंध में सौर,वायु और जैव–ऊर्जा, आदि जैसे ऊर्जा के गैर–पारम्परिक / वैकल्पिक / नवीन और नवीकरणीय संसाधनों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष पहलें की गई हैं और की जा रही हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारतीय संस्कृति के सदैव अभिन्न अंग रहे हैं। प्राकृतिक दर्शनशास्त्र, जैसाकि इसे प्राचीनकाल में कहा जाता था, का अध्ययन उच्च शिक्षा संस्थाओं में बड़े पैमाने पर किया जाता था। भारतीय पुनर्जागरण, जो संयोगवश हमारे स्वतंत्रता संग्राम के साथ–साथ घटित हुआ है, के दौरान भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा उल्लेखनीय प्रगति की गई थी। विज्ञान में सृजनात्मकता के निष्पादन की इस सहज क्षमता को, 1947 में देश की स्वतंत्रता के पश्चात संस्थागत और राज्य की विशेष सहायता से और बढ़ाया गया।भारत सरकार ने देश में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना की स्थापना करने की दिशा में कार्य किया है। इन सभी पहलों के परिणामस्वरूप विज्ञान की शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है।

डाक विभाग ने "जीवंत भारत" विषय पर स्मारिका शीट, प्रथम दिवस आवरण और विवरणिका का डिजाइन तैयार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता आयोजित करके प्रविष्टियां आमंत्रित की थीं। इस विषय पर चुनी गईं प्रविष्टियों के आधार पर स्मारिका शीट, प्रथम दिवस आवरण और विवरणिका जारी की जा रही हैं। देशभर से लगभग 1000 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। स्मारिका शीट, प्रथम दिवस आवरण एवं विवरणिका का डिजाइन सुश्री यू. मंगला नायक, सुश्री निशा वर्मा, सुश्री सृष्टि जैन, सुश्री रश्मि सिंह राठौड़, सुश्री अन्नु, श्री चार्वी खुराना, सुश्री प्रेरणा, सुश्री बिनिता बिश्वजीत, सुश्री निवेधा सेल्वाराज और सुश्री शालिनी शशिकांत हदपाने द्वारा प्रस्तुत की गईं प्रविष्टियों पर आधारित हैं।

आभार :–

मूलपाठ	:	इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित।
स्मारिका शीट / प्रथम दिवस आवरण / विरूपण मोहर	:	श्रीमती नीनू गुप्ता, प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत चुनी गई पेंटिंग्स पर आधारित।

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	2500 पैसा 2500 p
मुद्रित स्मारिका शीट Souvenir Sheet Printed	: :	3.0 लाख 0.3 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, है Security Printing P Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आ
सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with
to the stamp, first day cover and information brochure rest
Department.

मूल्य ₹

VIBRANT INDIA

India is one of the oldest civilizations in the world with a varied and rich cultural heritage. It has achieved all-round socio-economic progress during the last 67 years of its Independence. Lying entirely in the northern hemisphere, the mainland extends between latitudes 8° 4' and 37° 6' north, longitudes 68° 7' and 97° 25' east and measures about 3,214 km from north to south between the extreme latitudes and about 2,933 km from east to west between the extreme longitudes. It has a land frontier of about 15,200 km. The total length of the coastline of the mainland, Lakshadweep Islands and Andaman & Nicobar Islands is 7,516.6 km.

The Indian peninsula is separated from mainland Asia by the Himalayas. The Country is surrounded by the Bay of Bengal in the east, the Arabian Sea in the west, and the Indian Ocean to the south. The mainland comprises of four regions, namely the great mountain zone, plains of the Ganga and the Indus, the desert region, and the southern peninsula. Natural resources such as lakes, rivers, forests, wildlife, etc. have a pivotal role in Indian lifestyle and the growing population of the country has been increasing pressure on environment. The primary concern of the government is to implement policies and programmes for conservation of the ecosystem, natural resources, welfare of animals and prevention of pollution etc. and numerous initiatives have been taken by the government and various organizations for conservation and protection of flora and fauna, forest and wildlife, and for control of pollution.

Culture plays an important role in the development of any nation. It represents a set of shared attitudes, values, goals and practices. Culture and creativity manifest themselves in almost all economic, social and other activities. A country as diverse as India is symbolized by the plurality of its culture. India has one of the world's largest collections of songs, music, dance, theatre, folk traditions, performing arts, rites and rituals, paintings and writings that are known, as the 'Intangible Cultural Heritage' (ICH) of humanity. In order to preserve and promote these elements, the government has been implementing a number of schemes and programmes aimed at providing financial support to individuals, groups and cultural organizations engaged in performing, visual and literary arts etc.

The essence of Human Resource Development is education, which plays a significant and remedial role in balancing the socio-economic framework of the country. Rising to this challenge, the country has been taking huge and far reaching initiatives in the field of elementary, secondary, higher secondary, higher, technical and adult education. There has been a growing emphasis on vocational trainings in the country with a view to development of not just an educated, but a skilled workforce.

Agriculture, with its allied sectors, is unquestionably the largest livelihood provider in India, more so in the vast rural areas. It also contributes a significant figure to the Gross Domestic Product (GDP). It is recognized that sustainable agriculture, in terms of food security, rural employment, and environmentally sustainable technologies such as soil conservation, sustainable natural resource management and biodiversity protection, are essential for holistic rural development, and numerous initiatives have been taken in the country in this regard. Indian agriculture and allied activities have witnessed a green revolution, a white revolution, a yellow revolution and a blue revolution.

Infrastructure is a major sector that propels overall development of the Indian economy. The government is involved in initiating policies that would ensure time-bound creation of world class infrastructure in the country. These initiatives focuse on power, bridges, dams, roads and urban infrastructure development. Power and Energy are recognized as two essential inputs for economic development and improving the quality of life in India. Development of both conventional and non-conventional forms of energy for meeting the growing energy needs of society at a reasonable cost is a challenge. Special initiatives have been taken and are being taken by the Union and state governments in this regard and for promoting the use of non-conventional/alternate/new and renewable sources of energy such as solar, wind and bio-energy, etc.

Science and Technology have always been an integral part of Indian culture. Natural philosophy, as it was termed in ancient times, was pursued vigorously at institutions of higher learning. The Indian Renaissance, which coincided with our struggle for Independence, witnessed great strides made by Indian scientists. This innate ability to perform creatively in science came to be backed with an institutional setup and strong state support after the country's independence in 1947. The Government of India has worked towards establishing a modern Science and Technology infrastructure in the country. Scientific education and scientific research & development has been on a steady rise as a result of all these initiatives.

The Department of Posts organized a nation-wide competition inviting entries for designing the commemorative souvenir sheet, First Day Cover and Brochure on the theme "Vibrant India". Based on selected entries a souvenir sheet, First Day Cover and Brochure, on the theme, are being released. Approximately 1000 entries were received from all over the country.

The designs on the Souvenir Sheet, First Day Cover & Brochure are based on the entries submitted by Ms. U Mangala Nayak, Ms. Nisha Verma, Ms. Srishti Jain, Ms. Rashmi Singh Rathaur, Ms. Annu, Ms. Charvi Khurana, Ms. Prerna, Ms. Binita Bishwajeeta, Ms. Nivedha Selvaraj and Ms. Shalini Shashikant Hudpane.

Credits:-

Text	:	Based on material available on the internet
Souvenir Sheet /FDC/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta, based on selected paintings submitted by participants

